☆☆☆☆☆ नवरात्रि का मधुर संदेश ☆☆☆☆☆

कितने सुमधुर संदेश लेकर आया नवरात्रि का त्योहार
रात्रि को दिन, निर्बल को शक्ति बनाने, लाया खुशियों की बहार

भक्तों में है ग़ज़ब का जोश, उमंग और उत्साह
मान को मनाएँ, पा लें सर्व शक्तियों का वरदान
सब पर खुशियाँ, कृपा लुटाती, जो है शक्ति का अवतार
सुखों से कार देती भरपूर, लुटाती प्यार अपार
ऐसी शिव शक्ति, दुर्गा, माँ वैष्णो का आओ सुनें वृतांत
कितने सुमधुर संदेश लाया नवरात्रि का त्योहार

वर्षों की विडंबना – नारी को अबला कहा, ढोल पशु, गंवार
कभी सत्य प्रथा, कभी दहेज प्रथा, कभी खाती मार
वो सहन शक्ति की मूरत, भक्ति में रहती लवलीन
सकी शांति और स्थिरता को कमज़ोरी समझा, मनुष्य भाग्यहीन
करुणामय पुकार सुनकर शिव ने लिया ब्रह्मा में दिव्य अवतार
कितने सुमधुर संदेश लेकर आया नवरात्रि का त्योहार

शिव ने छेड़ी वो ग्यान मुरली की ऐसी मीठी तान
पल में बना दिया देह से न्यारा, टूटा सारा देह का भान
आत्मा-परमात्मा व सृष्टि चक्र का दिया सशक्त ज्ञान
पैरों की जूती समझी जाने वाली अबला को बनाया सबला महान

ग्यान मुरली से भूल बैठी वो सुध-बुध, बनकर दुनिया से अन्जान
ितने सुमधुर संदेश लेकर आया नवरात्रि का त्योहारस्तेरियँ
ईश्वरीय प्यार व याद से पूर्ण किए पवित्रता के नियम
धरत परिए धर्मा ने छोड़िए मंत्र का किया पालन
शिव की श्रीमत् के लिए छेड़ा ईश्वरीय आंदोलन
निश्चय बुद्धि विजयन्ती बन आसुरी प्रवृतियों का किया संहार
कितने सुमधुर संदेश लेकर आया नवरात्रि का त्योहार

वही सरस्वती बनकर बजाती ईश्वरीय ज्ञान की झंकार
माँ शारदा, जगत अम्बा बन देती सर्व को वरदान
स्वयं को पावन कर, विश्व को बनाती

पावन माँ वैष्णो
काली बन दुर्गुणों को करती भस्म, रूप गाते भक्त नौ
तू ही शिव से अमर कथा सुन, पार्वती बन करती भव से पार
कितने सुमधुर संदेश लेकर आया नवरात्रि का त्योहार

वर्ष में 2 बार होता जिसका पूजन, सजते मंदिर और पाण्डाल
ज्ञान योग के अस्त्र-शस्त्र से बनी असुर मर्दिनी, सदगुण तेरी ढाल
तपस्विनी और सती भी तू, ज्ञान धन का दान कर किया लक्ष्मी पद प्राप्त
शिव का राइट हैंड बनकर, दुख-शोक रहित बनाती जो हैं सबमें व्याप्त
शिव के सच्चे सपूत बन, बनें सच्चे पांडव, शिव शक्ति सदाबहार
कितने सुमधुर संदेश लेकर आया नवरात्रि का त्योहार